सम्भालो मेरे श्याम | By Prabha Tiwari

तेरी मोहब्बत में सांवरे एक बात मैंने सीखी है
तेरी भक्ति के बिना सांवरे ये दुनिया लगती फीकी है

मैं सब कुछ हार के बाबा तेरी चौखट पे आई हूँ
सम्भालो अब मुझे बाबा मैं सब कुछ छोड़ आई हूँ

मेरी मझधार है नैया श्याम दरकार है तेरी
मेरे हाथो से छूटी अब श्याम हाथो में है तेरे
इसे तूफ़ा से करदो पार ये अर्ज़ी दर पे लाइ हूँ
मैं सब कुछ हार के बाबा.....

सुना है हार के जग से तेरे दर जो भी आता है
लगाते हो गले उसको जहाँ में जीत जाता है
मेरी भी सुनले सांवरिया उम्मीदें लेके आई हूँ
मैं सब कुछ हार के बाबा.....

तेरे चरणों में सांवरिया पड़ी कब तक रुलाओगे
लगा लो अब शरण मुझको मुझे कब तक सताओगे
सुनो राही की फरियादें तेरी चौखट पे आई हूँ
मैं सब कुछ हार के बाबा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-prabha-tiwari/